चपिको आंदोलन के 50 वर्ष

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वर्ष 1973 की शुरुआत में उत्तराखंड में शुरू हुआ चपिको आंदोलन अपनी 50वीं वर्षगाँठ** मना रहा है।

मुख्य बिंदु:

- यह एक **अहिंसक आंदोलन** था जो **वर्ष 1973 में उत्तर प्रदेश के चमोली ज़िले (अब उत्तराखंड)** में शुरू हुआ था।
- आंदोलन का नाम 'चिपको' 'आलिंगन' शब्द से आया है, क्योंकि ग्रामीणों ने पेड़ों को गले लगाया और उन्हें काटने से बचाने के लिये घेर लिया
- इस आंदोलन का नाम **'चिपको' 'वृक्षों के आलिंगन'** के कारण पड़ा, क्योंकि आंदोलन के दौरान ग्रामीणों द्वारा पेड़ों को गले लगाया गया तथा वृक्षों को कटने से बचाने के लिये उनके चारों और मानवीय घेरा बनाया गया।
- जंगलों को संरक्षित करने हेतु **महिलाओं के सामूहिक एकत्रीकरण** के लिये इस आंदोलन को सबसे ज़्यादा याद किया जाता है। इसके अलावा इससे समाज में अपनी स्थिति के बारे में उनके दृष्टिकोण में भी बदलाव आया।
- इसकी सबसे बड़ी जीत लोगों को जंगलों पर उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना था और कैसे ज़मीनी स्तर की सक्रियता पारिस्थितिकी तथा साझा प्राकृतिक संसाधनों के संबंध में नीति-निर्माण को प्रभावित कर सकती है।
- इसकी सबसे बड़ी जीत **लोगों के वनों पर अधिकारों के बारे में जागरूक करना** तथा यह समझाना था कैसे ज़मीनी स्तर पर सक्रियता पारिस्थितिकी और **साझा प्राकृतिक संसाधनों के संबंध में नीति-निर्माण को प्रभावित कर सकती है।**
    - इसने **वर्ष 1981 में 30 डिग्री ढलान से ऊपर और 1,000 msl (**माध्य समुद्र तल-msl) से ऊपर के वृक्षों की व्यावसायिक कटाई पर

प्रतबिंध को प्रोत्साहति कयिा।

भारत में प्रमुख पर्यावरण आंदोलन

नाम	वर्ष	स्थान	प्रमुख	ववरिण
बशिनोई आंदोलन	1700	राजस्थान का खेजड़ी, मारवाड़ क्षेत्र	अमृता देवी	
चपिको आंदोलन	1973	उत्तराखंड	सुंदरलाल बहुगुणा, चंडी प्रसाद भट्ट	खेजड़ी (जोधपुर) राजस्थान में वर्ष 1730 के आस-पास अमृता देवी वशि्नोई के नेतृत्व में लोगों ने राजा के आदेश के वपिरीत पेड़ों से चपिककर उनको बचाने के लयि आंदोलन चलाया था। इसी आंदोलन ने आज़ादी के बाद हुए चपिको आंदोलन को प्रेरति कयिा, जसिमें चमोली, उत्तराखंड में गौरा देवी सहति कई महलिाओं ने पेड़ों से चपिककर उन्हें कटने से बचाया था।
साईलेंट वैली प्रोजेक्ट	1978	केरल में कुंतीपुझा नदी	केरल शास्त्र साहत्यि परषिद सुगाथाकुमारी	केरल में साइलेंट वैली मूवमेंट कुद्रेमुख परयिोजना के तहत कुंतीपुझा नदी पर एक पनबजिली बाँध के नरि्माण के वरिुद्ध था।
जंगल बचाओ आंदोलन	1982	बहिार का सहिभूम ज़लिा	सहिभूम की जनजातयिाँ	यह आंदोलन प्राकृतकि साल वन को सागौन से बदलने के सरकार के फैसले के खलिाफ था।
अप्पकिो आंदोलन	1983	कर्नाटक	लक्ष्मी नरसमि्हा	प्राकृतकि पेड़ों की कटाई को रोकने के लयि। सागौन और नीलगरि के पेड़ों के व्यावसायकि वानकी के खलिाफ।
टहिरी बाँध	1980-90	उत्तराखंड में टहिरी पर भागीरथी और भलिंगना नदी	टहिरी बाँध वरिोधी संघर्ष समति, सुंदरलाल बहुगुणा और वीरा दत्त सकलानी	
नर्मदा बचाओ आंदोलन	1980 से वर्तमान तक	गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र	मेधा पाटकर, अरुंधती राय, सुंदरलाल बहुगुणा, बाबा आम्टे	

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fifty-years-of-chipko-movement